Rs 200

TWO HUNDRED RUPEES

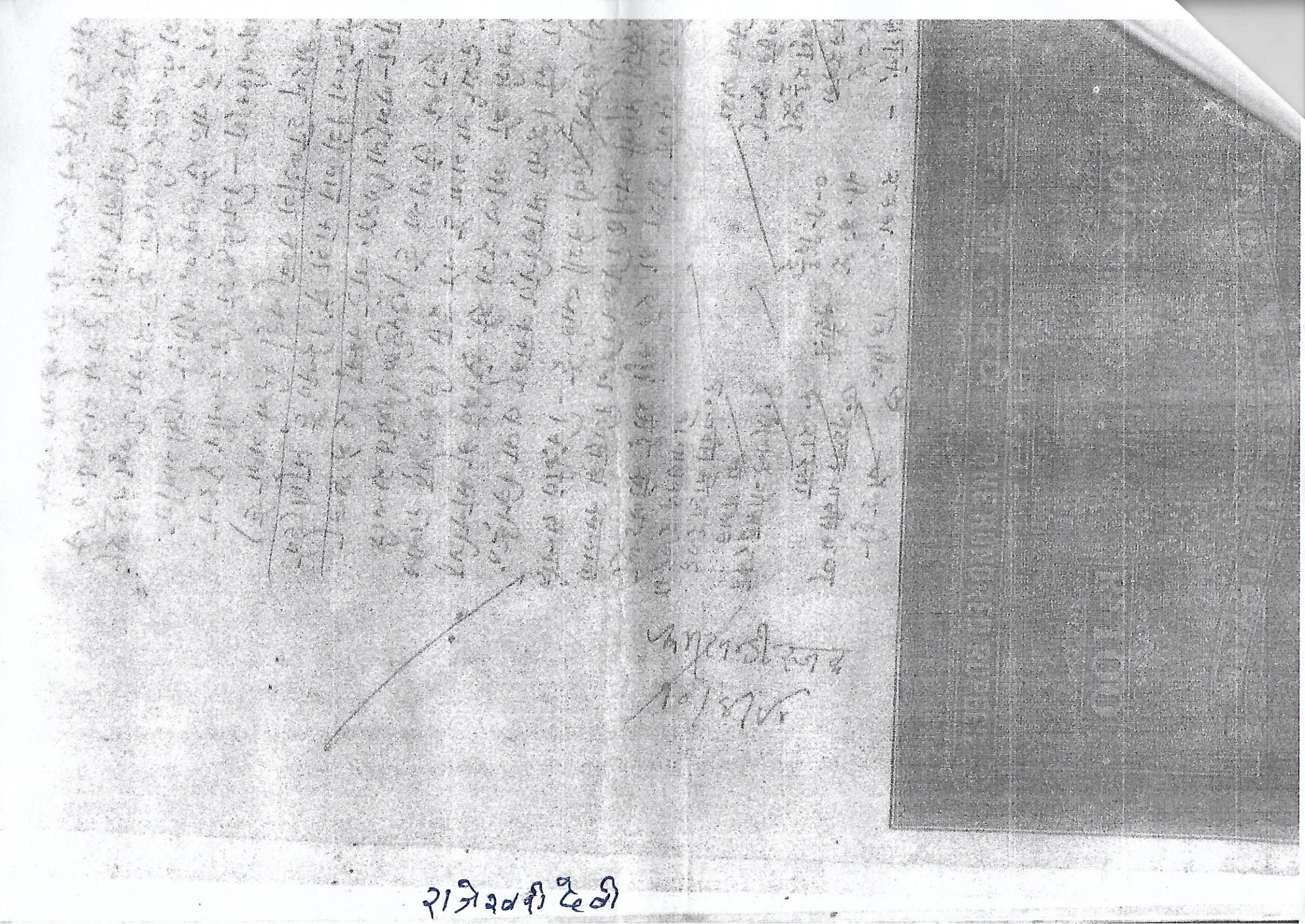

राजेश्वरी देवी

3RS

INDIA

तीन रुपये

सत्यमेव जयते

THREE RUPEES भारत THREE RUPEES

१. (signature)

② (signature)

③ L.T.I. of Basumati Devi wife of Late Banamali Rajak.

④ L.T.I. of Basia Rajak wife of Late Sri Hari Rajak.

(signature) 23/10/85

विदित हो कि स्व० पूरन रजक, पिता स्व० मधु रजक के नाम से अन्य सम्पति के साथ-साथ बसौढ़ी जमीन दाग नं० ६८२ भी है, जिसका कुल रकबा ९ कट्ठा २½ धूर है (नौ कट्ठा ढाई धूर) तथा यह जमीन मोहल्ला मिलान पाड़ा दुमका टाउन नं० 6 में स्थित है और इसकी चौहद्दी उत्तरी गली दक्षिणी रास्ता, पूर्वी रास्ता, पश्चिमी दाग नं० रास्ता है।

उपरोक्त जमीन स्व० पूरन रजक तथा उनके मृत्यु के बाद उनके वारीसान भोग दखल करते तथा वासोवास करते आ रहे हैं। तथा इसके अंश पर स्व० पूरन रजक तथा उनके वारीसान का ईंटा, मीट्टी एवं खपरैल से बना हुआ मकान भी चला आ रहा है।

स्व० पूरन रजक की एक मात्र कन्या स्व० सुगीया देवी, पति स्व० भंजगी रजक थे और उनके मृत्यु के बाद स्व० सुगीया देवी उपरोक्त सम्पति के दखल भोग में आ गयी।

स्व० सुगीया देवी के पाँच पुत्र क्रमशः स्व० श्री हरि रजक, श्री नन्दगोपाल रजक, स्व० बनमाली रजक, श्री कन्हाई रजक और श्री झारखण्डी रजक हुए। और स्व० सुगीया देवी की मृत्यु के बाद उपरोक्त सम्पति के हकदार उनके उपरोक्त संतान हुए। उपरोक्त संतान अपनी माँ की मृत्यु के बाद उपरोक्त संपति को भोग दखल करते आ रहे हैं। तथा खजाना टेक्स आदि देते आ रहे हैं।

राजवती देवी

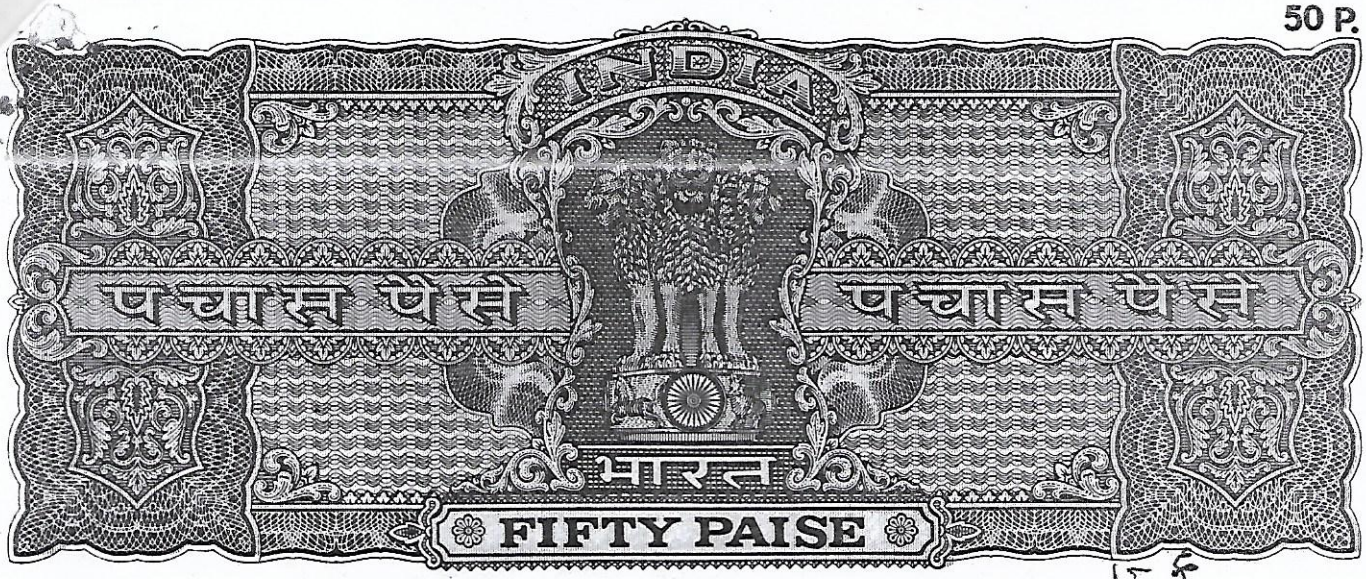

50 P.

1- उपरोक्त सम्पत्ति के हकदार उनके उपरोक्त पाँच पुत्र होते हैं।

वर्तमान में स्व० सुगीया देवी के पुत्रों में से श्री नन्दगोपाल रजक उपरोक्त बसौढ़ी जमीन (दाग नं० 625) ~~[illegible]~~ के अपने 1/5 अंश पर अपना निजी मकान बनाना चाहते हैं।

अतएव हमलोग स्व० सुगीया देवी के जिवित पुत्र तथा मृत पुत्र के वारिसान राजी खुशी से तथा बिना किसी दबाव के श्री नन्दगोपाल रजक को उपरोक्त बसौढ़ी जमीन में से उनका 1/5 हिस्सा नीचे लिखे चौहद्दी में जो बिल्कुल खाली पड़ा है दे रहे हैं। श्री नन्दगोपाल रजक को दिये हुए उपरोक्त 1/5 हिस्सा में ~~वे~~ वे जिस प्रकार हो हो सके अपना मकान बना ले सकते हैं। तथा भविष्य में उसपर हमलोगों का किसी प्रकार ~~के श्री नन्दगोपाल रजक~~ का हक या दावा नहीं रहेगा। इस प्रकार से श्री नन्द गोपाल रजक को भी उपरोक्त बसौढ़ी जमीन के बाकी हिस्से में किसी प्रकार का हक या दावा नहीं रहेगा।

स्व० पुरन रजक के बाकी संपती का बटवारा ~~[illegible]~~ फिलहाल नहीं ~~किया~~ जा रहा है। श्री नन्दगोपाल रजक को अपना मकान बनाना नितांत आवश्यक हो गया है और इसलिए हमलोग केवल उपरोक्त बसौढ़ी जमीन में से सिर्फ 1/5 हिस्सा उनको दे रहे हैं। (श्री नन्दगोपाल रजक को) निम्नलिखित चौहद्दी के अंदर मोट 1 कट्ठा 16 1/2 धुर (एक कट्ठा साढे सोलह धुर) जमीन छोड़ रहे हैं।

उत्तर - गली
दक्षिण - रास्ता
पूरब - रास्ता

L.T.I of Basmati Devi
Attested the L.T.I of Basuni Devi
R.K. Singh
Adv.

L.T.I of Besia Rajak wife of Late Sri Hari Rajak.

23/10/85

विदित हो कि सुविधा के लिए एक नक्शा भी इस घोषणा पत्र के साथ संलग्न है और हमलोगों ने राजी खुशी से यह लिखा पढ़ी कर दिया और इस पर अपना हस्ताक्षर, टीप और सही कर दिया। ताकि सभी उत्तराधिकारी को समय पर काम आ सके। हमलोगों में यह भी तय हुआ कि इस घोषणा पत्र की मूल-प्रति श्री नन्दगोपाल रजक के पास रहेगा, तथा इसकी प्रतिलिपी बाकी हकदारों के पास रहेगा।

गवाहों के नाम (हस्ताक्षर)

1) भोलानाथ उपाध्याय
23/10/85.

2) रंजन कुमार सिंह
23/10/1985

3) सीताराम लाद
23/10/85.

1) कन्हाई रजक
2) [illegible]

3) L.T.I. of Basmati Devi
Wife of Late Banwari Rajak.

4) L.T.I. of Besia Rajak
wife of Late Sri Hari Rajak

[illegible signature]
23/10/85

राजेश्वरी देवी

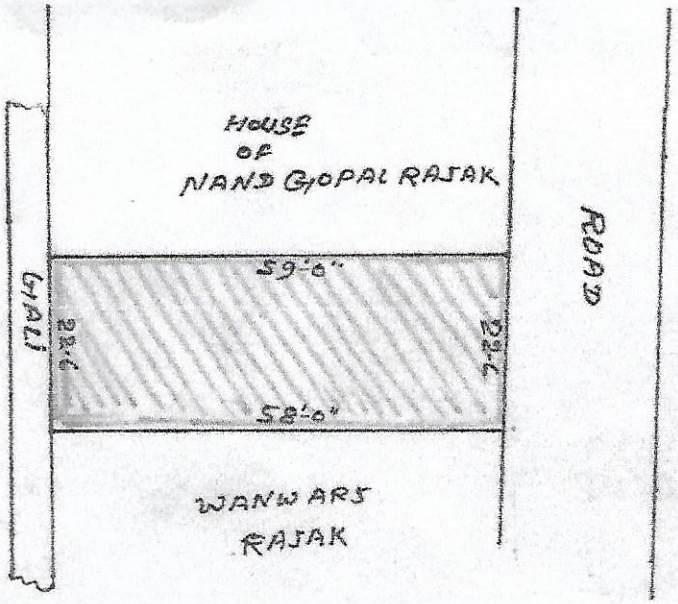

मौजा - दुमका टाउन नं०7
थाना - दुमका टाउन
सबडिविजन व जिला - दुमका
स्केल - 1" = 25 फीट

LAND OWNAR - SRI MATI RAJASHWARI DEVI W/o. LATE NAND GOPAL RAJAK

:- MOUZA - DUMKA TOWN No 7 PLOT NO - 655/P J.B. NO - 38/5. 38/5/2/1 AREA - B - K - D 00 - 01 - 16 BOUNDARY:-

N - NAND GOPAL RAJAK
S - WANWARS RAJAK
E - ROAD
W - GALI

राजेश्वरी देवी

Traced by/.
[illegible]
अमीन